सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 03 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 3 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।
-जवाहरलाल नेहरु

भारतीय महिला अंडर-19 टीम दूसरी... 7 | अपनों की बगावत, बन रही... 3 | केंद्रीय बजट में कोई विजन नहीं... 2

खतरे में व्यापार-दुनिया में हाहाकार

डोनाल्ड ट्रंप की जिद से भारत भी सहमा

अमेरिकन बिजनेस वार की शुरूआत, लाल निशान में सेंसेक्स

» रुपया और नीचे जाएगा महंगाई और बेरोजगारी बढ़ेगी, कंपनियों में छटनी का एक्शन प्लान

» मेक्सिको-कनाडा से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत और चीन से आयात पर अमेरिका ने लगाया 10 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिका के तीन सबसे बड़े बिजनेस पार्टनर मुल्क चीन, मैक्सिको और कनाडा से इम्पोर्ट की जाने वाली सभी वस्तुओं पर नए टैरिफ लागू कर दिये हैं।

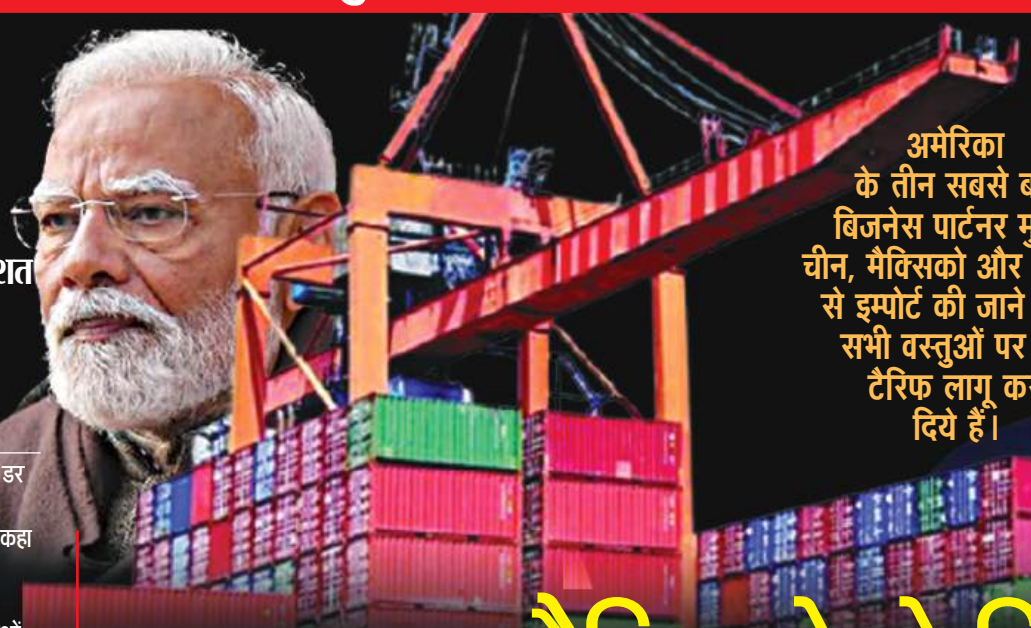

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार वही हुआ जिसका डर था। शपथ लेने के बाद अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वह कर दिखाया जो उन्होंने कहा था। उन्होंने अमेरिका के तीन सबसे बड़े बिजनेस पार्टनर देश चीन, मैक्सिको और कनाडा से इम्पोर्ट की जाने वाली सभी वस्तुओं पर नए टैरिफ लागू कर दिये हैं। इन तीनों मुल्कों ने ट्रंप के आदेश के सामने झुकने से इनकार कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम को दुनिया के लिए गन वार के बाद अर्थ वार की शुरूआत माना जा रहा है। जाहिर सी बात है इस वार की जद में विकासशील देशों का पिसना तय है।

भारत का व्यापारिक आईना सेंसेक्स ने ताजा घटनाक्रम को निगेटिव अर्थों में लिया है और बाजार में जबर्दस्त बिकवाली देखने को मिली। गिरावट उन कंपनियों के शेयरों में है जिनका व्यापार दूसरे देशों पर निर्भर करता है। यही नहीं महंगाई का डर और बेरोज़गारी चिंता लोगों के मन गहरा रही है और संकेत तो इससे भी भयानक है। तो क्या दुनिया में जो कमजोर लोग गन वार से बच गये हैं वह इस नये अर्थवार में मरने से बच जाएगा? सवाल बहुत बड़ा है और इसका उत्तर तो उससे भी भयानक है। कोरोना के बाद दुनिया अभी ठीक से चलना शुरू ही हुई थी कि अमेरिकन दादागिरी ने उसे घुटनों के बल ला दिया है। जिन मुल्कों पर टैरिफ लगाया गया है उन्होंने जवाबी कार्रवाही करते हुए अमेरिका पर भी नये टैरिफ लागू कर दिये हैं। इन सब में सबसे बड़ा नुकसान कमजोर अर्थव्यवस्था वाले मुल्कों का होना तय है। भारत की चिंताए बढ़ गयी है और अर्थव्यवस्था पर एलान के 24 घटें के भीतर पसीना नजर आ रहा है।

कनाडा व मैक्सिको ने किया पलटवार

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए अनेक अमेरिकी आयातों पर 25प्रतिशत शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा कि वह 155 बिलियन कनाडाई डॉलर (107 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। कनाडाई पीएम ने कहा कि 30 बिलियन कनाडाई डॉलर के अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ मंगलवार से लागू होंगे, उसी दिन ट्रंप के टैरिफ भी प्रभावी होंगे और 125 बिलियन कनाडाई डॉलर मूल्य के यूएस प्रॉडक्ट्स पर 21 दिनों में शुल्क लगाया जाएगा।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने शनिवार को अमेरिकी आयात पर जवाबी टैरिफ लगाने की बात कही। एक्स पर लिखे एक लंबे लेख में शीनबाम ने कहा कि उनकी सरकार अपने शीर्ष व्यापारिक साझेदार के साथ टकराव के बजाय बातचीत चाहती थी, लेकिन मेक्सिको को भी उसी तरह जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

दबाव में भारतीय शेयर बाजार

भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी जा रही है। सुबह 9:50 पर सेंसेक्स 318 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,871 और निफ्टी 102 अंक या 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,989 पर था।शुरुआती कारोबार में लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 972 अंक या 1.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,290 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 553 अंक या 3.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,402 पर था। ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटी इंडेक्स में दबाव बना हुआ है। केवल रियल्टी और एफएमसीजी इंडेक्स ही हरे निशान में हैं। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। टोक्यो, बैंकॉक और जकार्ता के बाजार लाल निशान में हैं। वहीं, शंघाई और हांगकांग में हरे निशान में कारोबार हो रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे। कच्चे तेल में गिरावट बनी हुई है। ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.97 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.11 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।

यूरोपियन यूनियन ने दी चेतावनी

ईयू यूरोपियन यूनियन ने अमेरिका को चेताते हुए कहा है कि शुल्क लगाने से आर्थिक अस्थिरता बढ़ती है और महंगाई में इजाफा होता है, जिससे सभी पक्षों को नुकसान पहुंचता है। यदि अमेरिका यूरोपीय उत्पादों पर शुल्क लगाता है, ईयू किसी भी अनुचित या मनमाने शुल्क के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया देगा। ईयू के मुताबिक अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और निवेश संबंध दुनिया में सबसे बड़े हैं, और यह संबंध बहुत महत्वपूर्ण है।

ट्रंप के आदेश पर चीन भी बिफरा

ट्रंप के आदेश पर चीन की प्रतिक्रिया भी काफी तीखी रही। रविवार को चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन विश्व व्यापार संगठन में मुकदमा दायर करेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए उचित जवाबी कदम उठाएगा। मंत्रालय ने कहा,अमेरिका की ओर से एकतरफा

टैरिफ वृद्धि विश्व व्यापार संगठन के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। यह कदम न केवल अमेरिका के अपने मुद्दों को हल करने में नाकाम है बल्कि चीन-अमेरिका के सामान्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को भी बाधित करता है। चीन अमेरिकी निर्णय का कड़ा विरोध करता है और इससे बेहद असंतुष्ट है।

केंद्रीय बजट में कोई विजन नहीं : अखिलेश यादव

बोले- किसानों, नौजवानों, गरीबों और व्यापारियों सभी को निराशा हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस सरकार के पास देश की जनता के लिए कोई विजन नहीं है। बजट किसान, नौजवान, गरीब विरोधी है। सरकार के सब आंकड़े झूठे हैं। बजट में महंगाई और बेरोजगारी कम करने की कोई योजना नहीं है।

अखिलेश ने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने और फसलों की एमएसपी का कानूनी अधिकार देने की कोई बात नहीं कही है। किसानों की कर्जमाफी का कोई जिक्र नहीं है। खाने-पीने की चीजों में बढ़ती महंगाई को कम करने को लेकर कुछ नहीं कहा गया। इस बजट से किसानों, नौजवानों, गरीबों और व्यापारियों, सभी को निराशा हुई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार गलत आंकड़ों के जरिये आम जनता को भरमाने का काम कर रही है। दोषपूर्ण जीएसटी को लेकर बजट में सरकार मौन है। इस सरकार की दोषपूर्ण जीएसटी व्यवस्था से व्यापार और व्यापारी बर्बाद हो गया है। सरकार मध्यम वर्ग को भी सब्जबाग दिखा रही है। दूसरे रास्ते से जनता की जेब काट रही है।

यही है विकसित भारत- कुंभ में आएं, भगदड़ में जान गवाएं

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में अर्थव्यवस्था को लेकर ढिंढोरा पीटने वाली सरकार सुरक्षित ढंग से एक कुंभ स्नान नहीं करा पा रही है। क्या यही भाजपा के विकसित भारत की परिभाषा है कि लोग स्नान करने जाएं और भगदड़ में मारे जाएं। सड़कों पर कई दिन जाम में फंसे रहें और भूख-प्यास से तड़प जाएं। बजट में आकड़ों से ज्यादा जरूरी महाकुंभ भगदड़ में मरने वाले, घायलों और खोये लोगों का आंकड़ा है। सरकार इन आंकड़ों को क्यों रही छिपा रही है।

'भाजपा सरकार ने अयोध्या में अराजकता कर रखा है'

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अयोध्या में अराजकता कर रखा है। बेहद दुःखद है कि अयोध्या के ग्रामसभा सहनवां (सरदार पटेल वार्ड) से गायब दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। उसकी दोनों आँखें फोड़ दी गई हैं। उसके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ है। प्रशासन ने पहले ही अगर परिवार की सूचना पर ध्यान दिया होता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी। हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो दोषी हैं और जिन पुलिसकर्मियों ने इस नृशंस हत्या के मामले में लापरवाही बरती है, उन सबके ख़िलाफ़ कठोरतम कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को तत्काल 1 करोड़ रूपये मुआवज़ा दिया जाए। दलित बेटी के साथ हुई अमानवीय घटना को लेकर अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद समेत पूरी पार्टी आहत है। भाजपा सरकार में पीडीए के साथ अन्याय, अत्याचार हो रहा है। न्याय नहीं मिल रहा है। अयोध्या में किसानों की जमीनों की लूट हो रही है। भाजपा की भूमिका भूमाफिया की है। किसानों की जमीनों को कम कीमतों पर अधिग्रहण कर सरकार के करीबियों को दिया जा रहा है। भाजपा अयोध्या में आम जनता गरीबों, किसानों को हमेशा के लिए उजाड़ दे रही है। जनता बेहद दुःखी है। लोगों में भाजपा की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है।

यूपी की कानून-व्यवस्था बद से बदतर : अवधेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या के मामले में सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने रविवार को प्रेस वार्ता की इस दौरान घटना की निंदा करते हुए वह फूट-फूट कर रोने लगे। उन्होंने कहा कि यह घटना निर्भया कांड से भी ज्यादा वीभत्स है। सरकार सिर्फ ढिंढोरा पीट रही है।

कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। लोकसभा की कार्यवाही होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी इस मुद्दे को उठाया जाएगा। दोषियों पर कार्रवाई ना हुई तो वह स्वयं लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। किसी कीमत पर आरोपियों को सजा दिलाई बगैर वह नहीं मानेंगे। बता दें कि अवधेश प्रसाद पहले भी प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब होने का आरोप लगाकर योगी सरकार को घेरते रहे हैं। रविवार को उन्होंने दुष्कर्म के मामले को

उठाया और मीडिया के सामने रोने लगे। उन्होंने कहा इस्तीफे की चेतावनी दी। बता दें कि अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में सपा ने उनके बेटे अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा ने चंद्रभानु पासवान को प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने दुष्कर्म कांड पर कार्रवाई की मांग की और दोषियों को फांसी देने की बात कही।

सिर्फ कारोबारियों के लिए है यह बजट : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बजट पर यूपी कांग्रेस ने भी निशाना साधा है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा भाजपा सरकार का बजट कभी भी आम आदमी के पक्ष में नहीं रहा है। हमेशा की तरह इस बार का बजट भी कारोबारियों के लिए है। आम जनता का इससे कोई भी भला नहीं होने वाला है। वर्ष 2025- 26 का बजट पूरी तरह निराशाजनक है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा यह जनता के साथ धोखा है। अमीरों के लिए सरकारी खजाना खोला गया है और गरीबों को बातों के चक्रव्यूह में फंसाया गया है। किसान, बेरोजगार नौजवान, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग तथा सरकारी कर्मचारियों को निराश और हताश करने वाला यह बजट है। वही आराधना मिश्रा मोना, विधायक दल की नेता ने कहा कि जीएसटी, जो आम आदमी को एक नहीं कई बार चुकानी पड़ रही है, उससे बचाने का बजट में कोई रास्ता/ प्राविधान नहीं है ।

जेल में बंद सांसद राकेश राठौर से मिलेंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

दुष्कर्म मामले में जेल में निरुद्ध कांग्रेस सांसद राकेश राठौर से प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को मुलाकात करेंगे। उनके साथ जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी भी मौजूद रहेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि अब पार्टी इस मामले में आर पार की लड़ाई के मोड में आ गई है।बता दें कि कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर 17 जनवरी को शहर कोतवाली में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले मे पुलिस ने सांसद को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। अब तक किसी ब? कांग्रेसी नेता ने उनसे मुलाकात नहीं की है। अब अजय राय ने सांसद से मिलने का संदेश भेजा है। वह सोमवार को दोपहर 12 बजे मिलना चाहते हैं। जेल प्रशासन मुलाकात की तैयारी करने में लगा है।

'देश को लूटो-बेचो वाली नीति पर हो रहा काम'

» मप्र पीसीसी प्रमुख जीतू पटवारी बोले- एक बार फिर लोग निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट पेश पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी की कार्यशैली ऐसी है कि बीजेपी के लोग देश को लूट और बेच रहे हैं। इससे पहले भी जब-जब मोदी बजट लाए हैं, देश निराश ही हुआ है। भ्रष्टाचार अद्भुत और अकल्पनीय हो गया है। लूटो और बेचो देश को वाली नीति पर काम हो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि देश में सरकारें नहीं बच रही हैं, केवल चुनाव हो रहे हैं। विकास दर नीचे है, लेकिन भाषण ऊंचे स्तर पर हैं। उद्योगपतियों के सोलह लाख करोड़ रुपए दस साल में माफ कर दिए गए, लेकिन किसानों के लिए कोई ठोस काम नहीं हो रहा है।जीतू पटवारी ने कहा कि किसानों की आत्महत्या बढ़ रही है। युवाओं के रोजगार का संकट बना हुआ है। एमएसपी को लेकर किसान सड़क पर हैं। देश पर 270 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। हालात बदतर होते जा रहे हैं। यही स्थिति मध्य प्रदेश में भी है। प्रदेश सरकार लगभग 5 लाख करोड़ रुपए के कर्जे में है।

मध्य प्रदेश के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं : कमलनाथ

केंद्रीय बजट को लेकर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट निराशाजनक है। मध्य प्रदेश के लिए बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं किए गए हैं। मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था पहले से ही लचर है और प्रदेश लगातार कर्ज के दलदल में डूबता जा रहा है। मध्य प्रदेश के किसानों को गेहूं और धान का बड़ा हुआ एमएसपी देने, किसानों की आमदनी दुगनी करने, लाडली बहनों को 3000 रुपये महीने देने जैसे वादों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने राज्य को कोई मदद नहीं दी है।

बजट जनविरोधी, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाने वाला

पटवारी ने कहा कि यह बजट आम जनता के लिए निराशाजनक और पूंजीपतियों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि देश पहले ही गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के संकट से गुजर रहा है, लेकिन मोदी सरकार ने इस बजट में जनता को कोई राहत नहीं दी। पटवारी ने कहा कि देश का किसान पहले से ही बदहाल स्थिति में है, लेकिन फिर भी इस बजट में किसानों के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें कोई अवसर देने की बजाय केवल आंकड़ों की बाजीगरी की है।उन्होंने कहा कि यह बजट उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाला है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग को इसमें कोई राहत नहीं दी गई। महंगाई चरम पर है, आवश्यक वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं, लेकिन सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला को देख कांग्रेस परेशान : शेखावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत निजी दौरे पर बीकानेर में रहे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सोने के चम्मच लेकर पैदा हुए लोगों को देश की राष्ट्रपति की कुर्सी पर कोई आदिवासी महिला बैठ जाए तो भी उन्हें राष्ट्रपति नहीं, बल्कि सिर्फ एक गरीब आदिवासी ही दिखाई देती है। यह राष्ट्रपति पद की गरिमा का अपमान है। उनके बयान से देश के दस करोड़ आदिवासियों की भावनाएं आहत

हुई हैं। उन्हें राष्ट्रपति पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। सोनिया गांधी और कांग्रेस को इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

केंद्रीय बजट पर कांग्रेस के बयानों पर पलटवार करते हुए शेखावत ने कहा कि बजट पूरे देश के विकास पर केंद्रित है, न कि किसी एक राज्य पर।

उन्होंने बिहार के बजट को लेकर हो रही बयानबाजी पर कहा कि केवल बिहार ही मखाने का उत्पादक नहीं है और कांग्रेस बिहार में हार के डर से इस तरह के बयान दे रही है।

अपनों की बगावत, बन रही आफत!

राजस्थान व हरियाणा में भाजपा सरकार पर अपनों का ही निशाना

» सभी सियासी दलों पर है इसका साया
» अनिल विज व किरोड़ी लाल मीणा अपने ही सीएम से नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों के समय नेताओं का दलबदल होना आम बात है। दल बदलने के बाद अपनी पुरानी पार्टी पर तीखे प्रहार करना लाजमी है। पर अब तो पिछले कुछ सालों से देखने में आ रहा हैं कि कुछ नेता अपनी हीं सरकार पर उंगली उठाते रहते हैं। इस बगावती सुर की मार से सभी दल परेशान है। फिलहाल तो भाजपा इस पीड़ा से ज्यादा आहत हो रही है। भाजपा की दो राज्यों राजस्थान व हरियाणा में दो बड़े नेताओं ने अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। ये नेता हैं अनिल विज और किरोड़ी लाल मीणा। हरियाणा सरकार के परिवहन मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर से अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अनिल विज ने निशाने पर एक बार फिर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हैं। सीएम नायब सैनी और अनिल विज में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने सरकार में उनकी सुनवाई न होने और उनके आदेशों की अनुपालना न होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को लेकर लगातार दूसरे दिन बयान दिया है।

इससे एक दिन पहले विज ने कहा था कि वह किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह आमरण अनशन कर सकते हैं। विज ने कहा था कि वह अब जनता दरबार के बाद ग्रेवियांस कमेटी की मीटिंग में नहीं जाएंगे। वहीं आज उन्होंने सीएम सैनी को कहा कि जब से वे मुख्यमंत्री बने हैं उस दिन से उड़न खटोले पर सवार हैं, नीचे उतरे तो जनता के दुख दर्द को देखें। यह सब अनिल विज इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वह कुछ अधिकारियों को बदलने की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर गौर नहीं कर रही थी। हालांकि अब सरकार की तरफ से अंबाला के उपायुक्त को बदल दिया गया है। अनिल विज और सीएम नायब सैनी के बीच पहले भी इस तरह की तकरारबाजी देखी जा चुकी है। इससे पहले मनोहर लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तब भी दोनों के बीच दखलअंदाजी रहती थी। 12 मार्च 2024 में जब मनोहर लाल ने कैबिनेट मीटिंग में घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री का पद छोड़ रहे हैं और कार्यकारी जिम्मेदारी नायब सिंह सैनी को सौंप रहे हैं तब अनिल विज ने नराजगी जाहिर करते हुए बैठक के बीच से उठकर चले गए थे। इसके बाद उन्हें मनाने के लिए खुद नायब सैनी विज के घर पर गए थे। हालांकि अब सरकार ने उनकी एक मांग को पूरा कर लिया है, जिसमें अंबाला के डीसी को बदल दिया गया है। वहीं अब विज अन्य पुलिस अधिकारियों को भी बदलने के चाह रखते हैं।

राजस्थन विस बजट सत्र के पहले ही दिन तेवर में आए किरोड़ी

राजस्थान के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा उर्फ बाबा ने विधानसभा बजट सत्र के पहले ही दिन अपने तेवर दिखा दिए। राज्यपाल का अभिभाषण खत्म होने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा- विपक्ष में रहते हुए मैंने पांच साल तक लगातार संघर्ष किया, लेकिन पार्टी कार्यालय में मुझे पत्रकार वार्ता तक नहीं करने दी गई। उन्होंने कहा कि हां जी के दरबार में जो ना जी कहेगा, वह मरेगा। मेरी हर बात में हां कहने की आदत नहीं है, जो न कहता है वो परेशान होता है। बता दें कि किरोड़ी लाल मीणा ने विधानसभा अध्यक्ष से पूरे बजट सत्र के लिए अवकाश मांग रखा है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उनकी छुट्टी की एप्लीकेशन पर विधानसभा स्पीकर से ही पूछा जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य है, कभी भी बिगड़ सकता है, क्योंकि आजकल तो जवानों को भी हार्ट अटैक आ जाता है। मंत्री मीणा ने कहा- यह समय समझौतों का है, जो लोग हां में हां मिलाते हैं तो उनके रिश्ते लंबे चलते हैं। मैं हां में हां मिलाने वालों में से नहीं हूं, हमेशा सच बोलता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा जब विपक्ष में थी तो उन्होंने पूरे पांच साल संघर्ष किया, लेकिन पार्टी कार्यालय में उन्हें पत्रकार वार्ता करने तक नहीं दी गई। इसके बावजूद, वे सड़क पर खड़े रहे और सत्ता में वापसी का आधार बनाया। मंत्री मीणा ने बीसलपुर में ठेके को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि गाद निकालने के नाम पर रोजाना 7 करोड़ की बजरी निकाली जा रही है, जबकि वास्तव में गाद नहीं हटाई जा रही। उन्होंने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह सरकार की आंखों के सामने हो रहा है, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

विज की नाराजगी का यह है कारण

मंत्री विज ने कहा कि मैंने सातवीं बार चुनाव जीतने के एक सप्ताह के भीतर भीतर सार्वजनिक मंच से, (जिन लोगों ने मुझे चुनाव में हरने की भूमिका अदा की थी, चाहे वह अधिकारी थे, कर्मचारी थे या कुछ छुटभैया नेता थे), उनकी बात कही थी, इसके बाद मैंने विभिन्न अधिकारियों को लिखकर भी दिया है लेकिन 100 दिन बीत गए, ना मुझसे पूछा गया और ना ही उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।विज ने कहा कि पहले तो मुझे शक था कि किसी बड़े नेता के आशीर्वाद से मुझे हराने का यहां पर प्रयास किया गया और यहां तक भी हुआ कि मुझे मरवाने का प्रयास किया गया, लेकिन अब उन पर कार्रवाई न करने से मुझे विश्वास हो गया। क्योंकि मैं सबसे सीनियर नेता हूं और मैं कह रहा हूं कि मुझे हराने के खिलाफ कार्रवाई की गई है तो उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए थी यदि कार्रवाई नहीं करो तो कम से कम तबादला तो किया जाना ही चाहिए था और पार्टी से तो निकल ही जाना चाहिए था। परंतु 100 दिन तक कुछ भी नहीं किया गया और अब करें ना करें मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मंत्रीमंडल में नहीं हुए थे शामिल बिज

नायब सिंह सैनी पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब अनिल विज मंत्रीमंडल में शामिल नहीं किया गया था। तब भी उनकी नाराजगी जग जाहिर थी। इसके बाद भी हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भी अनिल विज ने नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा का कटाक्ष किया था। इतना ही नहीं अनिल विज ने खुद मुख्यंत्री पद की दावेदारी ठोक दी थी। विज ने कहा था कि वह सात बार के विधायक हैं। अगर उन्हें मुख्मंत्री की जिम्मेदारी दी जाती है तो वह बखूबी निभाएंगे।

मनोहर सरकार में भी खटपट

इससे पहले, अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर के बीच भी खटपट की खबरें 2019 से 2024 तक आती रहीं। विज से उस समय सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कुछ विभाग वापस ले लिए थे। 2020 में खट्टर ने विज से गृहमंत्री होते हुए भी सीआईडी का चार्ज वापस ले लिया था।

तेलंगाना में मंत्री श्रीनिवास से 10 विधायक नाराज

तेलंगाना कांग्रेस में उथल-पुथल मचने की खबर है। कांग्रेस के दस विधायकों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन विधायकों ने बंद कमरे में गुप्त बैठक की है, जिससे कांग्रेस की चिंताएं बढ़ गई हैं। विधायकों की गुप्त मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आपात बैठक बुलाई है। असंतुष्ट विधायक मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से नाराज बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों को इस बैठक से दूर रहने का निर्देश दिया है। सीएम के इस निर्देश से पार्टी के अंदर असंतोष की खबरों को बल मिलता है। कांग्रेस नेतृत्व को चिंता है कि स्थानीय निकाय और विधान परिषद चुनाव से पहले विधायकों की किसी भी बगावत से जनता में गलत संदेश जा सकता है। इस बीच, मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने मुख्यमंत्री की ओर से बुलाई गई आपात बैठक में शामिल होने के लिए अपना दौरा रद्द कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि विधायक अनिरुद्ध रेड्डी के फार्महाउस पर विधायकों की गुप्त बैठक हुई थी। इस बैठक में नैनी राजेंदर रेड्डी, भूपति रेड्डी, येनम श्रीनिवास रेड्डी, मुरली नाइक, कुचुकुल्ला राजेश रेड्डी, संजीव रेड्डी, अनिरुद्ध रेड्डी, लक्ष्मीकांत, दौती माधव रेड्डी और बीरला इलैया शामिल हुए थे। तेलंगाना कांग्रेस में अंतर्कलह की खबरों पर पार्टी सांसद मल्लू रवि ने दिल्ली में कहा, यह सिर्फ एक डिनर मीटिंग थी।

गुटबाजी के चलते अमित शाह को बनाया गया था पर्यवेक्षक

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने प्रंचड जीत हासिल की थी। इसके बाद भाजपा के विधायक दल की बैठक में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए भाजपा के संसदीय बोर्ड ने पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पर्यवेक्षक होंगे। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि विधायक दल का नेता चुने जाने के समय अनिल विज सीएम पद को लेकर अपना दावा ठोक सकते हैं। इसके अलावा, बाहर से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मुख्यमंत्री पद को लेकर दावा जताते रहे हैं। पार्टी हाईकमान ने इन दोनों के तेवरों को देखते ही अमित शाह को यह जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि पार्टी में कोई गुटबाजी न दिखे और सारी प्रक्रिया आराम से पूरी हो सके।

सीएम नायब पर बिफरे ऊर्जा-परिवहन एवं श्रम मंत्री

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि नायब सैनी जब से मुख्यमंत्री बने है तब से उड़न खटोले पर है, ये सिर्फ उनकी नहीं बल्कि सभी विधायकों और मंत्रियों की आवाज है। विज बोले चुनाव के दौरान उन्हें किसी बड़े नेता ने हराने की कोशिश की और उनपर हमला हुआ आज 100 से ज्यादा दिन बीत चुके है लेकिन कोई कारवाई

नहीं हुई। अब उन्हें फर्क नहीं पड़ता, विज की नाराजगी उनके शब्दों के साथ साथ उनके गानों में भी सुनाई दे रही है। दरअसल विज को पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। मंत्री अनिल विज ने कहा कि फिर भी यह बहुत ही गंभीर बात है और गंभीर बात इसलिए है कि हमारे मुख्यमंत्री उड़न खटोले से नीचे नहीं उतरते, जिस दिन से मुख्यमंत्री बने हैं उसे दिन से उड़न खटोले पर ही है नीचे उतरे तो जनता के दुख दर्द को देखें।उन्होंने कहा अंबाला छावनी की जनता ने मुझे सात बार यहां (अंबाला) से विधायक बनाया है और अंबाला छावनी के काम रुकेंगे, तो उसके लिए मुझे जो भी करना पड़ेगा मैं करूंगा, आंदोलन करना पड़ेगा तो आंदोलन करूंगा, जान देनी पड़ेगी तो जान दूंगा, भूख हड़ताल करनी पड़ेगी तो भूख हड़ताल करूंगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

क्या आमजन की उम्मीदें पूरी करेगा बजट

शनिवार को बजट आ गया । भाजपा ने दावा किया है ये एक उम्दा बजट है। पर विपक्ष व अर्थशास्त्री कह रहे है कि मोदी सरकार का यह बजट समावेशी न होकर कुछ खास लोगों के लिए है इसलिए बजट में कोई खास होगा उसकी उम्मीद नही हैं। बहुत से लोग कह रहें जैसी अर्थव्यवस्था बताई जा रही है वैसी हैं नहीं पिछले कुछ सालों से भारतीय रुपये का अवमूल्यन हो रहा है। हालांकि सरकार ने कुछ लोक लुभावन घोषणाएं की है। ये तो आने वाले समय में ही पता चलेगा कि बजट आम लोगों को कितना लाभ पहुंचाते हैं। अभी रुपया वर्तमान में डालर से नीचे गिर गया। विपक्ष ने एनडीए सरकार पर इसकी अनदेखी का अरोप भी लगा दिया। साथ ये सुझाव भी दिया कि सरकार इस ओर ध्यान दे नहीं तो देश को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। लोग तो अब कहने लगे अब तो चेतो सरकार। लोग ये भी उम्मीद कर रहे हैं रोजगार के साधन बढ़ेंगे। टैक्स में छूट बढ़ेगी।

वहीं एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपया 86.62 रुपए तक के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में यह 87 रुपए अथवा 90 रुपए के स्तर को भी पार कर जाय। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की गिरावट के लिए वैश्विक स्तर पर कई कारक जिम्मेदार है परंतु मुख्य रूप से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लगातार मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं, जैसे, रोजगार हेतु नई नौकरियों की तो जैसे बहार ही आई हुई है। भारत में विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं क्योंकि उन्हें अमेरिका में ब्याज दरों के अच्छे स्तर को देखते हुए अपने निवेश पर अधिक आय की सम्भावना दिखाई दे रही है। जनवरी 2025 माह में दिसम्बर 2024 माह के जारी किए के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में 256,000 से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं जबकि अनुमान लगभग 200,000 नौकरियों का ही था, नवम्बर 2024 माह में 212,000 नौकरियां पैदा हो सकी थीं। अमेरिका में बढ़ी हुई ब्याज दर के चलते अमेरिकी डॉलर इंडेक्स एवं अमेरिकी ट्रेजरी बिल पर यील्ड भी मजबूत बनी हुई है इससे अमेरिकी डॉलर लगातार और अधिक मजबूत हो रहा है डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद बहुत सम्भव है कि अमेरिका में आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर आयात कर की दर बढ़ा दी जाय, इससे अमेरिकी डॉलर में और अधिक मजबूती आएगी और अन्य देशों की मुद्राओं का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक अवमूल्यन होने लगेगा। अब भारत को भी विभिन्न क्षेत्रों में अपने आप को आत्म निर्भर बनाना होगा ताकि अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम की जा सके। आने वाले समय में देखना होगा कि क्या यह बजट आम लोगों की उम्मीद पर खरा उतरेगा।

“ बहुत से लोग कह रहें जैसी अर्थव्यवस्था बताई जा रही है वैसी हैं नहीं पिछले कुछ सालों से भारतीय रुपये का अवमूल्यन हो रहा है। हालांकि सरकार ने कुछ लोक लुभावन घोषणाएं की है। ये तो आने वाले समय में ही पता चलेगा कि बजट आम लोगों को कितना लाभ पहुंचाते हैं। अभी रुपया वर्तमान में डालर से नीचे गिर गया। विपक्ष ने एनडीए सरकार पर इसकी अनदेखी का अरोप भी लगा दिया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भीड़ ने महाकुंभ प्रबंधन को दिए कई सबक

के.पी. सिंह

प्रयागराज महाकुम्भ में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना चिन्ता का विषय है। 'मौनी अमावस्या' के अवसर पर संगम क्षेत्र में अमृत-स्नान करने के लिए आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालु एकत्रित हुए। लोगों की आस्था और विश्वास की डोर इतनी मजबूत है कि हर कोई 144 वर्षों के बाद आए इस ऐतिहासिक क्षण पर संगम में पवित्र डुबकी लगाना चाहता था। यह दुर्घटना अखाड़ों के अमृत स्नान से पहले सुबह लगभग 1 बजे हुई, जब कुछ तीर्थयात्री पारम्परिक अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के मार्ग को चिह्नित करने वाली रुकावटों को पार करने का प्रयास करने लग गए थे। यह संतोष की बात है कि पुलिस हरकत में आई और तुरन्त सामान्य स्थिति बहाल कर दी गई। धार्मिक समागमों के दौरान भगदड़ हो जाना एक सामान्य बात हो गई है। प्रशासक शुरुआती झटकों के बाद इन्हें भूल जाते हैं। जनवरी, 2025 में आंध्र प्रदेश के एक प्रमुख मंदिर में मुफ्त दर्शन पास पाने की कोशिश में मची भगदड़ में 6 भक्तों की मौत हो गई।

अपने धार्मिक गुरु की करीब से झलक पाने की चाहत में उ.प्र. के हाथरस में 121 लोगों की जान चली गई थी। नवम्बर, 2023 में नवरात्रि समारोह के दौरान मध्य प्रदेश के रतनगढ़ मन्दिर में भगदड़ में 115 तीर्थयात्रियों ने जान गंवाई थी। फरवरी, 2013 में उ.प्र. के कुम्भ मेले में एक और भगदड़ हुई थी, जिसमें 36 भक्तों की जान गई। उ.प्र. में एक मन्दिर में मुफ्त भोजन और कपड़े पाने के लिए धक्का-मुक्की में 63 लोग कुप्रबंधन के कारण मारे गए थे। सितम्बर, 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मन्दिर में भू-स्खलन की अफवाह के चलते मची भगदड़ में 145 श्रद्धालु मारे गए थे। जनवरी, 2005 में महाराष्ट्र के मंदारदेवी मन्दिर में फिसलन भरी सीढ़ियों के कारण 265 लोगों की मृत्यु हुई थी। ऐसी सूची अंतहीन है। ऐसी मानवीय त्रासदियों की पुनरावृत्ति दर्शाती है कि व्यवस्था भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त सबक नहीं सीखती है। फिर भी तथ्य है कि भीड़ में भगदड़ के मूल में कहीं न कहीं लोगों में व्याप्त अनुशासनहीनता ही होती है।

व्यवस्था का कुप्रबंधन त्रासदी को और बढ़ा देता है। विडंबना यही है कि न तो भीड़ अनुशासन का पाठ सीखती है और न ही व्यवस्था पिछली घटनाओं से पर्याप्त सबक लेती है। आयोजन से पहले भीड़ का आकलन और पूरे महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के दैनिक आगमन की निगरानी महत्वपूर्ण है। संगम क्षेत्र में तीर्थयात्रियों के प्रवेश को

उनके लिए उपलब्ध वास्तविक स्थान को ध्यान में रखते हुए विनियमित किया जाना चाहिए था। श्रद्धालुओं की संख्या में चमत्कारी आंकड़े के लोभ में व्यवस्था ऐसा करने में चूकी। सभी राज्यों की पुलिस एजेंसियों के साथ समन्वय करके एक तंत्र होना चाहिए था, जिससे प्रतिदिन श्रद्धालुओं के आवागमन की संख्या का पूर्वानुमान लग सके। त्रासदी के बाद प्रयागराज में लोगों को ले जाने वाली रेलों और बसों की आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों को यदि भीड़ के पूरी क्षमता तक पहुंचने से बहुत पहले ही लगा दिया जाता तो दुर्घटना से बचा जा सकता था। कई श्रद्धालु सबसे पहले स्नान करने की चाह में और कई अन्य पवित्र स्नान करने के बाद भी क्षेत्र में जमे रहे। कुछ लोग तो कई दिनों तक संगम की रेती पर बैठे रहे, जिससे अधिक भीड़भाड़ हो गई। जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को संगम क्षेत्र में प्रवास को सीमित करने और स्थान खाली करने के लिए परामर्श प्रसारित कर इसे रोका जा सकता था। यह सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा बल की तैनाती होनी चाहिए थी कि संगम क्षेत्र में घूमने-स्नान करने वाले क्षेत्रों में भीड़भाड़ न हो। सभी प्रवेश बिंदुओं पर अस्थाई रूप से भीड़ को रोकने तथा स्नान-घाटों पर उपलब्ध स्थान के अनुसार उन्हें समूहों में छोड़ने के लिए 'होल्डिंग एरिया' की योजना बनाना हमेशा उचित होता है। इस प्रकार के 'होल्डिंग एरिया' मुख्य आयोजन-स्थल से काफी दूर हों। संगम क्षेत्र से तीर्थयात्रियों के शीघ्र निकास के लिए जलमार्ग की योजना भी बनाई जा सकती थी। यातायात-जाम से बचने के लिए प्रवेश तथा निकास मार्ग अलग-अलग होने चाहिए। बेहतर होता यदि स्नान के लिए क्षेत्रवार दिन तय करके लोगों को सूचित कर दिया जाता।

स्नान क्षेत्र की लम्बाई-चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। अन्यथा भी, भगदड़ के बाद, प्रयागराज क्षेत्र में, जहां भी अवसर मिले, पवित्र गंगा में डुबकी लगाने की सलाह देकर ऐसा किया गया। पुलिस जनों की शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित कर उन्हें उचित आराम करने का मौका देना जरूरी है। कहा गया है कि जब रात में दुर्घटना हुई तो पर्याप्त पुलिस-बल न था, शायद पुलिस लम्बी ड्यूटी के लिए तैयारी कर रही थी। जब किसी खास दिन इतनी बड़ी भीड़ होती है, तो अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिए विशेष मार्ग बनाना और उसकी सुरक्षा करना बहुत मुश्किल होता है।

एकाकी जिंदगी में पालतू जानवरों का क्रेज

पुष्परंजन

चीन के शहरों में 51 मिलियन पालतू कुत्ते, और 65 मिलियन पालतू बिल्लियां हैं। इसका मतलब यह हुआ, कि शहरों में रहने वाले आठ में से एक चीनी व्यक्ति के पास या तो कुत्ता है, या बिल्ली। चीन से अधिक इंसानी जनसंख्या वाले भारत में पालतू जानवरों की शहरी संख्या 32 मिलियन होने का अनुमान है, जो सालाना 12 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रही है। भारत में पालतू जानवरों के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में तेजी से बदलाव आया है। अधिकांश शहरी और नवविवाहित जोड़ों में देरी से माता-पिता बनना, एकल परिवारों का बढ़ना, दोहरी आय वाले परिवार और जीवनशैली में बदलाव को कारण माना जा सकता है। इस देश में लोग पालतू जानवरों को परिवार का एक अनिवार्य हिस्सा मानने लगे हैं। इस प्रवृत्ति ने भारत में पालतू जानवरों की देखभाल से संबंधित प्रौद्योगिकी को बढ़ाया है।

पालतू जानवरों की देखभाल करने वाले अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे व्यावसायिक अवसर विकसित हो रहे हैं। पालतू बाजार का नेतृत्व कुत्ते के सेगमेंट द्वारा किया जाता है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी आधे से अधिक है, बिल्लियां दूसरे नंबर पर हैं, जबकि खरगोश सेगमेंट में 26 फीसद से अधिक कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट बढ़ने की उम्मीद है। कुत्ते के भोजन की बिक्री में भी 21 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर की वृद्धि देखी गई है। इससे आने वाले वर्षों में 'पेट इंडस्ट्री' को चीन की तरह समृद्ध देख सकते हैं। भारतीय पालतू जानवरों से जुड़ी प्रौद्योगिकी का बाजार मूल्य इस समय 650-700 मिलियन डॉलर है। जबकि, 'पेट इंडस्ट्री' का वैश्विक बाजार मूल्य 190.1 बिलियन डॉलर है। 'गोल्डमैन सक्स' की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन में पालतू जानवरों की संख्या अब शिशुओं और बच्चों से ज्यादा हो गई है। चीन में पालतू बिल्लियों की संख्या में साल दर साल 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन पालतू कुत्तों की संख्या में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

'गोल्डमैन सक्स' ने 2025 के अंत तक तक 120 मिलियन से ज्यादा पालतू कुत्ते और बिल्लियां का अनुमान लगाया है। इसके बरक्स, पालतू कुत्तों की संख्या में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चीन में कुत्ते और बिल्लियां तेजी से इंसान के बच्चों को रिप्लेस कर रहे हैं। ये जीव देश के बढ़ते बुजुर्ग और अविवाहित युवा वयस्कों के लिए लोकप्रिय साथी बन गए हैं। नवीनतम तिमाही डेटा से पता चला, वर्ष 2025 में चीन में लगभग 6 मिलियन विवाह पंजीकृत होने की उम्मीद है। इसे 1980 के बाद सबसे कम संख्या मानिये। इससे देश की प्रजनन दर, दुनिया में सबसे कम होने का अनुमान है। चीन की सबसे बड़ी ऑनलाइन प्रॉपर्टी एजेंसी, बेइक झाओफांग द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या 2030 तक 150 मिलियन से 200 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें 20 से 39 वर्ष की आयु के सिंगल लोगों की संख्या 70 मिलियन हो जाएगी। जॉय पेट हॉस्पिटल के संस्थापक यांग झोंग बताते हैं, 'चीन में पालतू जानवरों के लिए हज़ारों क्लीनिक और अस्पताल हैं, लेकिन चिकित्सकों की कमी अभी भी बहुत ज्यादा है।'

यांग ने कहा कि उनके अस्पतालों में इंटर्न शुरू में लगभग 2,500 युआन प्रति माह कमाते हैं, जबकि एक नया स्नातक मुफ्त भोजन और आवास के साथ 6,000 युआन प्रति माह कमा सकता है। एक युआन, भारतीय मुद्रा में 12 रुपये के आसपास है। लगभग पांच साल के अनुभव वाले वरिष्ठ पशु चिकित्सक 20,000 से 30,000 युआन प्रति माह या उससे अधिक कमा सकते हैं। चाइना इंटरनेशनल कैपिटल कॉर्पोरेशन द्वारा शेयर किये डेटा के अनुसार, '2023 में चीन में 27,000 से अधिक पालतू जानवरों के अस्पताल और क्लीनिक थे, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में 32,690 और जापान में 12,706 थे। औसतन, चीन में प्रत्येक वेटरनरी अस्पताल 6,862 पालतू जानवरों की सेवा करता है, जो अमेरिका की तुलना में 1.25 गुना, और जापान की तुलना में 5.5 गुना अधिक है।' यह डाटा 2025 में अपडेट नहीं हुआ है। मगर, यह तय मानिये कि चीन में वेटरनरी हॉस्पिटल की संख्या, 10 से 12 फीसद बढ़ी है। चीन में जैसे-जैसे बुजुर्ग पालतू जानवरों की संख्या बढ़ रही है, इससे संबंधित चिकित्सा कारोबार फायदे में दिख रहे हैं। चीनी समाज पालतू जानवरों को अधिक महत्व देता है, इसलिए पालतू चिकित्सा बाजार की मांग, और लाभ की संभावना बढ़ती रहेगी। 'चाइना सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमीशन' की रिपोर्ट के अनुसार, 'वर्ष 2023 में चीन में केवल 165,000 प्रैक्टिसिंग पशु चिकित्सक थे, इससे तीन लाख वेटरनरी डॉक्टर्स की कमी महसूस की गई थी। चीन में प्रत्येक पशु चिकित्सक औसतन 3,577 पालतू जानवरों की सेवा करता है, जो अमेरिका में 1.5 गुना और जापान में 3.7 गुना अधिक है।'

डेली सनशाइन अख़बार के अनुसार, शेन्जेन में पिछले साल 500,000 पालतू कुत्ते और बिल्लियां थीं, जहां 88,000 से अधिक पालतू जानवरों से संबंधित उद्यम 10 बिलियन युआन से अधिक सालाना कमा रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है, कि 2024 में शेन्जेन में 2,525 नए 'पेट व्यवसाय' पंजीकृत हुए, जो पिछले साल की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि है। दरअसल, पालतू जानवरों को परिवार के सदस्यों के रूप में देखा जाता है, इसलिए पालतू जानवरों के मालिक अपने पालतू जानवरों के स्वास्थ्य और खुशी पर अधिक खर्च करने को तैयार हैं। टीजीएम ग्लोबल पेट केयर की रिपोर्ट से पता चलता है, कि भारत में 56 प्रतिशत पशुओं के मालिक अपने पालतू जानवरों को परिवार का हिस्सा मानते हैं।

सांस फूलने पर करें ये घरेलू उपाए

बहुत से लोग गलतफहमी के चलते डिसप्निया (सांस फूलना) रोग को दमा रोग ही समझ लेते हैं। लेकिन सांस फूलना और दमा (एस्थमा) रोग में थोड़ा सा फर्क होता है। कई लोगों को गलतफहमी होती है कि मोटा होने की वजह से ही सांस फूलती है पर ऐसा कुछ नहीं है, पतले लोगों की भी ऐसे ही सांस फूलती है और इसका कारण हमारे शरीर में नहीं अपितु पर्यावरण में बढ़ रहे प्रदूषण, अस्वच्छ हवा में सांस लेना और गलत कार्यशैली हो सकती है। सांस फूलने का रोग 2 प्रमुख कारणों से हो सकता है। ज्यादा उम्र के लोगों को बारिश के मौसम में सांस की नली के पुराने जुकाम आदि रोगों के कारण। दिल की धड़कन का काफी तेज चलने के कारण होता है।

अंगूर

सांस फूलने या दमा की समस्या में अंगूर बहुत लाभदायक होता हैं। इस समस्या में आप अंगूर भी खा सकते है या अंगूर का रस का भी सेवन कर सकते हैं। कुछ चिकित्सकों का तो यह दावा है कि दमे के रोगी को अगर अंगूरों के बाग में रखा जाए तो दमा,सांस फूलने या कोई भी श्वसन सम्बन्धी समस्या में शीघ्र लाभ पहुंचता है।

अजवायन

सांस फूलने की समस्या अक्सर श्वास नली में सूजन या श्वास नली में कचरा आ जाने की वजह से ही उत्पन्न होती है। श्वास नली को साफ़ करने का सबसे प्रभावी तरीका होता है। स्टीम या भाप लेना। भाप लेने से यदि श्वास नली में सूजन है तो उसमे आराम हो जाता है और कचरा भी निकल जाता है तो इसके लिए आपको अजवायन पीसकर पानी में उबलनी है। फिर इस अजवायन वाले पानी की भाप लेनी है। क्योंकि अजवायन की भाप सूजन को खत्म और दमे और सांस फूलने की समस्या में राहत दिलाती है।

लौंग और शहद

लौंग और शहद का काढ़ा पीने से श्वास नली की रुकावट दूर हो जाती है और श्वसन तंत्र मजबूत बनता है। इसके लिए चार-छः लौंग को एक कप पानी में उबाल ले और फिर उसमे शहद मिलाकर दिन में तीन बार थोड़ा-थोड़ा पीने से सांस फूलने की समस्या एकदम ठीक हो जाती है।

लहसुन

लहसुन भी सांस फूलने की समस्या में अत्यंत लाभकारी औषधि का कार्य करता है। इसके लिए लहसुन की 3 कलियों को दूध में उबालना है और फिर उस दूध को छानकर सोने से पूर्व पीना है। याद रहे इसके बाद कुछ भी न खाये या पिए। कुछ ही दिनों के निरन्तर प्रयोग से आपको इसके चमत्कारी परिणाम देखने को मिलेंगे।

अंजीर

जिन लोगो की सांस फूलती है, उनके लिए अंजीर अमृत के समान है क्योंकि अंजीर छाती में जमी बलगम और सारी गंदगी को बाहर निकाल देती है। जिससे सांस नली साफ़ हो जाती है और सुचारू रूप से कार्य करती है। इसके लिए आप तीन अंजीर गरम पानी से धोकर रात को एक बर्तन में भिगोकर रख दीजिये और सुबह खाली पेट नाश्ते से पहले उन अंजीरों को खूब चबाकर खा लीजिये।

तिल का तेल

यदि ठंड की वजह से छाती जाम हो जाए या रात के समय दमे का प्रकोप बढ़ जाए और सांस ज्यादा फूलने लगे तो तिल के तेल को हल्का गर्म करके छाती और कमर पर गरम तेल की सेक करे। इस प्रकार आपकी छाती खुल जायेगी और आपको सांस फूलने की समस्या में राहत मिलेगी।

तुलसी और सौंठ का काढ़ा

तुलसी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और श्वसन तंत्र पर बाहरी प्रदूषण और एलर्जी के हमले से रक्षा करने में समर्थ है। इसलिए जिनको भी सांस फूलने की या दमा की शिकायत हो उन लोगों को तुलसी से बने इस काढ़े का इस्तेमाल अवश्य ही करना चाहिए। इसके लिए आधा कप पानी में 5 तुलसी की पत्ती,एक चुटकी सौंठ पाउडर,काला नमक और काली मिर्च डालकर उबाल ले। ठंडा करके जब यह काढ़ा गुनगुना सा रह जाए तब इसका सेवन करे। नित्य प्रति इस काढ़े के सेवन से आपके सांस फूलने की समस्या जड़ से समाप्त हो जाएगी।

हंसना मना है

फादर- अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर- क्या परिणाम आया तुम्मारा, सन- दिमाग का दही मत कर बाबूलाल, तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे। किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आपका और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है- रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड़ मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला- आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबैंड को 2 थप्पड मारे और बोली- आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नही करती।

कहानी — भूत का भय

उत्तर प्रदेश के एक पीरगढ़ गांव में अब्दुल व उसके कुछ दोस्त रहते थे। एक दिन ऐसे ही उन सभी के बीच भूत की बात छिड़ गई। इस दौरान अब्दुल ने बिना डरे कह दिया कि भूत जैसा कुछ नहीं होता। तभी सभी दोस्तों ने उससे कहा कि ऐसा है तो क्या तुम इस बात को साबित कर सकते हो कि तुम्हें भूत से डर नहीं लगता। उसने कह दिया, हां, बिल्कुल। गांव में इस दौरान ऐसी बातें चल रही थीं कि पास के ही श्मशान घाट में लोगों को भूत नजर आता है। तभी एक दोस्त ने कहा कि ठीक है, तो तुम रात को श्मशान घाट जाओ और वहां जाकर कील गाड़कर आ जाना। फिर सुबह सब मिलकर उस कील को देखकर आएंगे। इतना तय होने के बाद अब्दुल श्मशान घाट के लिए निकल गया। रात काफी काली थी, क्योंकि वो रात आमावस्या की थी। रास्ते में चलते हुए अब्दुल के दिमाग में भूत की बातें घूमने लगी। उसे डर भी लग रहा था, लेकिन दोस्तों के सामने हंसी होगी ऐसा सोचकर वो आगे बढ़ता रहा और श्मशान घाट पहुंच गया। वहां पहुंचते ही अब्दुल ने कील को गाड़ने के लिए जेब से हथौड़ी निकाली और कील को जमीन में धीरे-धीरे गाड़ने लगा। शोर ज्यादा न करने के चक्कर में अब्दुल काफी आराम से कील गाड़ रहा था। कुछ देर बाद उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। उसका पूरा शरीर ठंडा पड़ गया और वो बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। तभी अब्दुल का पीछा करते हुए श्मशान पहुंचे उसके दोस्तों ने उसे उठाया और गांव लेकर आ गए। काफी देर तक जब अब्दुल को होश नहीं आया, तो उसपर पानी के छींटे मारे। उतने में ही अब्दुल को होश आ गया और उसने बताया कि वो कील श्मशान में गाड़ चुका था, लेकिन तभी कोई उसका कुर्ता खींचने लगा, जिससे वो डर गया। दोस्तों ने अब्दुल को बताया कि कोई उसका कुर्ता नहीं खींच रहा था। अब्दुल ने पूछा, तो क्या हुआ था? तब उसके दोस्तों ने बताया कि जिस कील को जमीन में वो गाड़ रहा था उसी के नीचे कुर्ता भी दब गया था। इसी वजह से उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। अपने डर की वजह से शर्मिंदा होते हुए अब्दुल ने अपने दोस्तों से माफी मांगी, लेकिन उसके सारे दोस्तों ने मिलकर उसकी हिम्मत की खूब तारीफ की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मिथुन यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे।

कर्क वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए।

कन्या यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें।

तुला वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे।

मकर प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

कुम्भ व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मीन राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

कई बार दिल टूटने के बाद मुझे सही पार्टनर चुनने की समझ आई : शाहिद

शाहिद कपूर फिल्म इंडस्ट्री में काफी सालों से काम कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर में कई सारे उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। जितनी उनकी प्रोफेशनल लाइफ के चर्चे थे, उतने ही पर्सनल लाइफ की भी चर्चा रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में काफी एक्ट्रेसेज को डेट किया। लेकिन कहीं ना कहीं उन्हें उन रिलेशनशिप्स में सक्सेस नहीं मिली। हाल ही में एक पॉडकास्ट में शाहिद ने अपने ब्रेकअप्स पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी लाइफ में कई सारी लड़कियां आईं जो उनकी लाइफ में किसी ना किसी तरीके से बदलाव ला पाईं। कभी-कभी आप किसी से इतना प्यार कर बैठते हो कि जब वो आपको छोड़कर चले जाते हैं, आप उन्हें पाने के लिए इस हद तक चले जाते हो कि आप अपनी इज्जत खो देते हो। आप अपनी इज्जत कुर्बान कर देते हो और आपको इस बात की भनक नहीं होती कि आप इस प्रक्रिया में अपना कैरेक्टर खो चुके हो। आपको ये अहसास बहुत समय बाद जाकर होता है और फिर आप सोचते हो कि मैं क्या कर रहा था? शाहिद का कहना है कि ये पल इंसान के लिए काफी जरूरी होता है क्योंकि वो तब क्या बनना चाहता है उसके बारे में सोचता है। इन पलों में आपको तय करना होता है कि क्या बनना है, लेकिन अगर आप ये तय नहीं कर पाए कि क्या बनना है तो आप वो मौका गंवा चुके हैं और आपको उससे कुछ हासिल नहीं हुआ है। शाहिद ने आगे कहा कि उन्हें सही पार्टनर चुनने की समझ तब आई जब उनका दिल कई बार टूटा। उन्होंने समझाया, किसी के प्यार में गिरना काफी अलग बात है लेकिन आपको ये समझना जरूरी है कि क्या वो आपके अंदर से आपका अच्छा-बुरा निकाल सकते हैं या नहीं। क्योंकि अंत में तो आपको अपने साथ ही रहना है। मैंने प्यार से जो सीखा है वो ये है कि किसी को दूसरे इंसान से किसी चीज की जरूरत नहीं होनी चाहिए। ये प्यार पाने की इच्छा का एक बहुत ही स्वार्थी कारण है। मुझे ये चाहिए, मैं आराम में जीना चाहता हूं, मुझे वो ऐसा महसूस कराए कि मैं बहुत जरूरी हूं, मैं इस इंसान के अलावा किसी और को नहीं देख सकता। ये सब स्वार्थी बातें हैं।

'रक्त ब्रम्हांड' में आदित्य राय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी सामंथा रुथ प्रभु

बॉलीवुड | गपशप

सामंथा रुथ प्रभु एक्शन थ्रिलर 'सिटाडेल: हनी बनी' के बाद एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' में एक बार फिर एक्शन के साथ लौट रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस सीरीज के निर्देशन की कमान 'तुम्बाड' फेम राही अनिल बर्वे ने संभाली है। इसे फैमिली मैन और सिटाडेल के निर्माता राज और डीके ने निर्मित किया है।

तेलुगु 123 के मुताबिक, आदित्य रॉय कपूर और सामंथा एक साथ नजर आएंगे। अभिनेत्री सिटाडेल के बाद एक बार फिर एक्शन करते हुए नजर आ सकती हैं। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक हाल ही में आदित्य रॉय कपूर ने 'रक्त ब्रह्मांड' का एक्शन से भरपूर पहला शेड्यूल पूरा किया है। कहा जा रहा है कि इस हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर में अपनी भूमिका के लिए उन्होंने तलवारबाजी, हथियार चलाने और मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली।

राज एंड डीके की इस बहुप्रतीक्षित सीरीज में आदित्य रॉय कपूर लीड रोल निभाएंगे। आदित्य के सीरीज में लीड एक्टर के तौर पर एंट्री होने के बाद करण जौहर ने उनकी तारीफ करते हुए एक्टर और डायरेक्टर की जोड़ी कमाल बताया। हाल ही में आदित्य ने भी एक इंटरव्यू में निर्माताओं के साथ काम करने के अनुभवों को साझा किया। दूसरी ओर इस सीरीज का फैंस बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

'रक्त ब्रम्हांड' के स्टार कास्ट की बात करें तो आदित्य और सामंथा के अलावा 'मिर्जापुर' फेम अली फजल, वामिका गब्बी और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज इसी साल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

खुशी कपूर संग 'नादानियां' करेंगे इब्राहिम अली खान

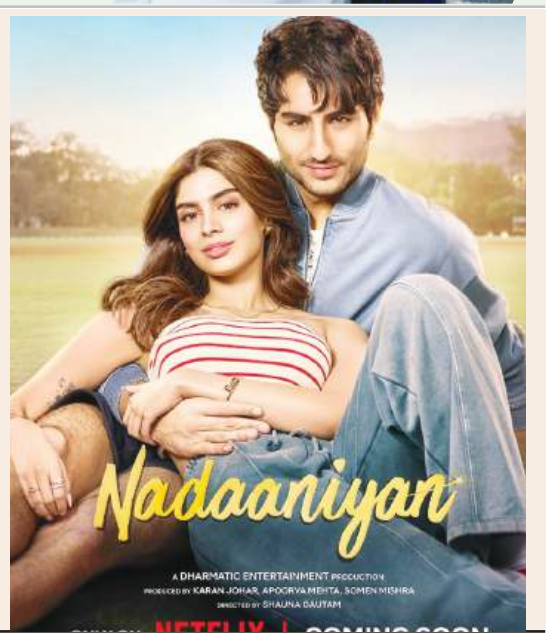

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड के छोटे नवाब सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान जल्द ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले हैं। उनकी पहली फिल्म नादानियां है, जिसमें उनके साथ खुशी कपूर नजर आने वाली हैं। यह फिल्म सीधा ओटीटी पर रिलीज होगी।

इस बात की जानकारी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिए दी है। पोस्ट में लिखा है, हर प्रेम कहानी में थोड़ी सी नादानी होती है। देखिए नादानियां, जल्द ही आ रही है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।

इस पोस्ट पर अब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। एक यूजर ने लिखा, इस फिल्म के लिए बहुत उत्साहित हूं। वहीं, एक यूजर ने लिखा, आप दोनों को शुभकामनाएं, फिल्म का इंतजार रहेगा। हालांकि, कुछ यूजर्स फिल्म में खुशी कपूर की कास्टिंग को लेकर निर्माताओं पर तंज कसते नजर आए।

अजब-गजब | इसे आस्था कहें या परंपरा

इस गांव के लोग बिल्ली की करते हैं पूजा

मांड्या: अब तक आपने मंदिरों में देवी-देवताओं की पूजा सुनी होगी, नाग देवता की महिमा भी सुनी होगी, मगर क्या कभी किसी को बिल्लियों की पूजा करते देखा है? नहीं ना? लेकिन ऐसा हो रहा है। वो भी हमारे देश में, दरअसल, कर्नाटक के मांड्या के बेक्कलाले गांव, जहां बिल्ली सिर्फ एक पालतू जानवर नहीं, बल्कि देवी है। जी हां, बिल्ली मंगम्मा देवी के रूप में यहां के लोग न केवल बिल्ली की पूजा करते हैं, बल्कि उसकी कृपा से अपनी परेशानियों का हल भी ढूंढते हैं।

बता दें कि अब आप सोच रहे होंगे कि इस गांव का नाम बेक्कलाले ही क्यों पड़ा? तो भाई, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि कई साल पहले एक बिल्ली की समाधि बनाई गई थी, जिसके बाद उसे देवी का दर्जा दिया गया और फिर क्या था, देखते ही देखते यह गांव इस अनोखी परंपरा का गवाह बन गया। अब यहां हर मंगलवार को मंदिर में विशेष पूजा होती है और भक्तगण श्रद्धा से देवी मंगम्मा के दर्शन करने आते हैं।

अब यह मत पूछिए कि प्रसाद में क्या मिलता है क्योंकि यहां प्रसाद कोई लड्डू-पेड़ा नहीं, बल्कि बिल्ली का थूक होता है। जी हां, सही सुना आपने! यहां मान्यता है कि बिल्ली का थूक शुभ होता है और इसे स्वीकार करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। अब इसे आस्था कहें या परंपरा, मगर यहां के लोगों का विश्वास अडिग है।

यह गांव बिल्ली के लिए जितना प्रेम दिखाता है, उतना ही कड़ा नियम भी है। अगर किसी ने गलती से भी बिल्ली को नुकसान पहुंचाया, तो मान लीजिए कि उसकी परेशानियों की लिस्ट तैयार हो चुकी है। यहां के लोग मानते हैं कि अगर कोई बिल्ली को तकलीफ पहुंचाता है, तो उसके जीवन में अनहोनी हो सकती है। यही वजह है कि अगर किसी बिल्ली की मृत्यु होती है, तो उसका अंतिम संस्कार भी इंसानों की तरह पूरे विधि-विधान से किया जाता है।

चाहे घर की सुख-शांति की बात हो, सेहत की समस्या हो या फिर शादी-ब्याह की चिंता— यहां के लोग हर मुराद लेकर बिल्ली मंगम्मा के दरबार में पहुंचते हैं उनका विश्वास है कि सच्चे मन से मांगी गई मुरादें जरूर पूरी होती हैं। यही कारण है कि दूर-दूर से लोग यहां अपनी समस्याओं का हल ढूंढने आते हैं। तो अगली बार अगर कोई आपसे कहे कि अरे, बिल्ली रास्ता काट गई, अपशकुन हो गया!, तो उसे बेक्कलाले गांव की कहानी जरूर सुनाइए क्योंकि यहां बिल्ली सिर्फ रास्ता नहीं काटती, बल्कि भक्तों की किस्मत भी संवारती है।

यदि आप डेटिंग एक्सपर्ट हो तो इस कंपनी को है आपकी तलाश

क्या कभी आपने सोचा है कि आपका डेटिंग का अनुभव आपको एक जॉब दिला सकता है? बेंगलुरु की कंपनी Topmate ने एक बहुत ही अजीब लेकिन मजेदार जॉब पोस्ट किया है, और इसने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। कंपनी ने तलाश शुरू की है, जो डेटिंग के बारे में पूरी दुनिया जानता हो और रिश्तों को समझने में माहिर हो। यह नौकरी एक ऐसे इंसान के लिए है, जो ऑनलाइन डेटिंग की पूरी जानकारी रखता हो। Topmate के मार्केटिंग लीड, निमिशा चांदा ने खुद इस जॉब पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, क्या आप अपने दोस्तों के लिए डेटिंग की सलाह देने वाले पहले इंसान होते हैं? क्या आपने 'ghosting', 'breadcrumbing', और डेटिंग के तमाम नए शब्दों का मतलब समझा है? अगर हां, तो आप इस जॉब के लिए बिल्कुल फिट हैं! इस जॉब के लिए कुछ मजेदार शर्तें भी रखी गई हैं, जैसे कि आपको कम से कम एक ब्रेकअप और तीन डेट्स का अनुभव होना चाहिए। इसके साथ ही, आपको नए डेटिंग शब्दों की जानकारी होनी चाहिए और कम से कम दो-तीन डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया हुआ होना चाहिए। अगर आप भी कभी डेटिंग ऐप्स पर ट्राई कर चुके हैं या डेटिंग की दुनिया में किसी तरह का अनुभव रखते हैं, तो यह जॉब आपके लिए हो सकती है। Topmate यह चाहता है कि जो भी व्यक्ति इस पद पर काम करे, वह डेटिंग के नए शब्दों और ट्रेंड्स को समझे और उनके बारे में दूसरों को भी बताए। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको एक प्रोफेशनल डेटिंग एक्सपर्ट होना चाहिए, बस आपके पास सही अनुभव और जानकारी होनी चाहिए। जब यह जॉब पोस्ट वायरल हुआ, तो सोशल मीडिया पर बहुत से लोग मजेदार तरीके से प्रतिक्रिया दे रहे थे। Topmate का मकसद केवल डेटिंग के बारे में मजेदार बातें नहीं करना है। कंपनी चाहती है कि इस जॉब से एक व्यक्ति डेटिंग के बारे में लोगों को समझाए और उनके रिश्तों में मदद करे। यह जॉब सोशल मीडिया ट्रेंड्स, नए डेटिंग टर्म्स और ऑनलाइन रिश्तों से जुड़ी समस्याओं पर काम करने के लिए होगी। अब अगर किसी को प्यार में दिल टूटने या डेटिंग में कोई परेशानी है, तो CDO उनके लिए एक सही रास्ता दिखा सकता है।

दिल्ली में आज शाम थम जाएगा विस चुनाव के प्रचार का शोर

बुधवार को मतदान, आठ को आयेगा परिणाम

» आप, भाजपा और कांग्रेस ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव प्रचार आज शाम पांच बजे समाप्त हो जाएगा। दिल्ली के चुनावी रण में 699 उम्मीदवार हैं। 2696 मतदान स्थलों पर 13766 बूथ बनाए गए हैं। मतदाताओं को बूथ परिसरों में आसानी से अपने मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए सभी जिला चुनाव अधिकारी रंग कोड के अनुसार केंद्र स्थापित करेंगे। सोमवार से कर्मी मतदान केंद्रों तक पहुंचने लगेंगे। 70 विधानसभा सीटों में से नई दिल्ली में 23 व जनकपुरी में 16 उम्मीदवार हैं। ऐसे में इन दोनों सीटों पर मतदान के दिन दो-दो बैलेट यूनिट लगाई जाएंगी। इधर, पुलिस और होमगार्ड कर्मियों ने डाक मतपत्रों से रविवार से वोट डालना शुरू कर दिया है। कुल 16,984 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मतपत्र प्रक्रिया चार फरवरी तक उपलब्ध रहेगी।

आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के पास न तो कोई विजन है न ही कोई ठोस एजेंडा। उनका पूरा चुनावी अभियान केवल अरविंद केजरीवाल पर हमले और अपशब्द कहने तक सीमित है। आप ने कहा कि चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में भी प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली और उसके लोगों के लिए कोई दृष्टि प्रस्तुत नहीं की। जिस दिल्ली मॉडल को देशभर में सराहा गया, उसे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

'भाजपा ने कराया आप के प्रचार वाहन पर हमला'

आप के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह और मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने दावा किया कि नई दिल्ली विधानसभा में लेडी हार्डिंग अस्पताल के सामने चौराहे पर पार्टी की प्रचार वैन के साथ तोड़फोड़ की। उसके ऊपर हमला किया, प्रचार सामग्री को बर्बाद किया और वैन पर लगी एलडी स्क्रीन भी तोड़ दी। इस घटना में दो चेहरे वह थे जो कुछ दिनों पहले अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर पत्थर फेंकने के दौरान भी देखे गए। इनका नाम रोहित त्यागी और शैंकी बताया जा रहा है। इनकी भाजपा नेता प्रवेश वर्मा और बाकी नेताओं के साथ तस्वीरें भी हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने कसा केजरीवाल पर तंज

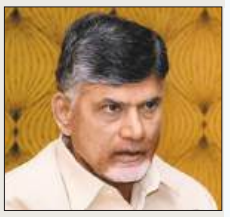

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पूरी दुनिया के लोग भारत के विकास को देख रहे हैं। हाल ही में दावोस की अपनी यात्रा के दौरान भी मैंने भारत के विकास में काफी रुचि देखी है। भारत वैश्विक आर्थिक विकास के लिए एक आकर्षक कारक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यमुना सबसे प्रदूषित नदी है। बीते 10 साल में आम आदमी पार्टी प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं कर पाई है। यह सब डबल इंजन वाली सरकार ही कर सकती है। वैश्विक स्तर पर आप देख रहे हैं कि साम्यवाद का क्या हुआ। बहुत पहले मैंने कहा था कि साम्यवाद खत्म हो गया है, केवल पर्यटन ही समृद्ध होगा। चीन भी राजनीति में साम्यवादी है, लेकिन विकास या अर्थव्यवस्था में नहीं। मैं बहुत स्पष्ट हूं कि केंद्रीय बजट सही दिशा में, सही रास्ते पर है।

शिकायत के बावजूद जाग नहीं रहा चुनाव आयोग : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार वाहन पर हुए हमले को लेकर पार्टी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा। पार्टी ने दावा किया कि नई दिल्ली विधानसभा में आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है, लेकिन चुनाव आयोग सोया हुआ है। शिकायत करने के बाद भी जाग नहीं रहा। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई नेताओं ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर भाजपा पर निशाना साधा। केजरीवाल ने तीन पत्रकारों को हिरासत में लेने को लेकर प्रेस से संबंधित कमेटी की चुनाव आयोग को दी गई शिकायती पत्र को सोशल मीडिया पर साझा किया। इसके अलावा भाजपा के कई नेताओं से जुड़े वीडियो भी साझे किए। दावा किया कि यह सभी भाजपा की मदद से कर रहे हैं। वहीं, आप नेता मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि लोगों को पीटा जा रहा है, दिल्ली पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि पीड़ितों को ही गिरफ्तार कर रही है। भाजपा अब चुनाव नहीं, हिंसा से सत्ता हासिल करना चाहती है। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि गृहमंत्री अमित शाह ने पुलिस को भी आम आदमी पार्टी का प्रचार रोकने में लगा दिया है।

विद्यालय में मां सरस्वती का स्तुति गान कर छात्रों ने मोहा मन

भाग्यवती घनश्याम सरस्वती शिशु मंदिर में बसंत पंचमी पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले के कस्बा दोस्तपुर में स्थित भाग्यवती घनश्याम सरस्वती शिशु मंदिर में बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती के पूजन के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों के अपनी सुन्दर मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इस दौरान प्रधानाचार्य अनुराग पाण्डेय, कृष्णा चंद्र बरनवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

बजट में जम्मू-कश्मीर के दर्द को समझने की थी जरूरत: कर्रा

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- बेरोजगारी को किया गया नजर अंदाज

» कहा- केंद्र ने राजनीतिक कारणों से बिहार और दिल्ली पर ज्यादा दिया ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। केंद्रीय बजट पर प्रदेश कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि बजट में जम्मू-कश्मीर को नजर अंदाज किया गया है। केंद्र ने बजट में राजनीतिक कारणों से बिहार और दिल्ली पर ज्यादा ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर बेरोजगारी में देश में दूसरे नंबर पर है। बड़ी संख्या में युवा अल्प वेतन पर काम कर रहे हैं और नौकरी के नियमितीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। युवाओं के प्रति विशेष ध्यान देने के लिए अधिक संवेदनशील होना चाहिए था।

आयकर स्लैब में वेतनभोगी वर्ग के लिए लंबे समय से प्रतिक्षित मामूली राहत को छोड़कर, मध्य और गरीब वर्ग को कोई राहत नहीं है, जो दैनिक उपयोग की सभी वस्तुओं की अब तक की सबसे बड़ी मूल्य वृद्धि का सामना कर रहे हैं। मोदी सरकार सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि दस साल में कितनी नौकरियां दी गई। मोदी सरकार बड़े बैंक डिफॉल्टरों को 16 लाख करोड़ से अधिक की ऋण माफी दे सकती है, लेकिन किसानों को ऋण माफी और जीएसटी के तहत कर लगाए गए अधिकांश कृषि उपकरणों को छूट देने पर विचार नहीं किया।

बजट पर अब्दुल्ला से लेकर नेकां के सभी नेता तक मौन

सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से लेकर कई मंत्रियों से मुलाकात की। उद्योग पैकेज का विस्तार करने के लिए केंद्रीय सहायता बढ़ाने का आग्रह किया। बजट के बाद न तो मुख्यमंत्री और न ही नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पार्टी के किसी पदाधिकारी की कोई प्रतिक्रिया आई है।

भारतीय महिला अंडर-19 टीम दूसरी बार चैंपियन

» टी-20 विश्व कप के फाइनल में द. अफ्रीका को नौ विकेट से हराया

» पीएम मोदी ने दी बधाई, कई दिग्गज खिलाड़ियों ने भी सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुआलालंपुर। भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2023 में हुई थी तब शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारत ने खिताब जीता था। अब दो साल बाद टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में निकी प्रसाद की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पारी 20 ओवर में 82 रन पर सिमट गई थी।

जवाब में टीम इंडिया ने 11.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। गोंगाड़ी त्रिशा ने फाइनल में ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन विकेट लेने के अलावा नाबाद 44 रन भी बनाए। गोंगाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी मिला। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है। वहीं, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव तथा सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने भी युवा महिला टीम के प्रदर्शन को सराहा है।

अभिषेक की रिकॉर्ड पारी, भारत ने 4-1 से नाम की सीरीज

इंग्लैंड को रिकार्ड 150 रन से हराया

नई दिल्ली। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें टी-20 मैच में 150 रनों के अंतर से हराकर टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को साल 2023 में 168 रन से हराया था। अभिषेक शर्मा की आक्रामक शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 10.3 ओवर में सिर्फ 97 रन बना पाई और ऑलआउट हो गई। इस तरह सूर्यकुमार यादव की टीम ने इंग्लैंड को हराकर 4-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। अभिषेक ने सिर्फ 17 गेंदों में अपना अर्धशतक बनाया और फिर 37 गेंदों में एक शानदार शतक पूरा किया। अभिषेक ने 54 गेंद में 135 रन बनाए।

संसद में महाकुंभ भगदड़ पर फिर विपक्ष का हंगामा

विपक्ष ने कहा मौत का आंकड़ा सरकार के आंकड़े से ज्यादा, स्पीकर ने विपक्षी नेताओं के व्यवहार की निंदा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार सुबह जैसे ही बजट सत्र फिर से शुरू हुआ, विपक्ष ने पिछले हफ्ते प्रयागराज में महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दौरान हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत को लेकर नारेबाजी की। स्पीकर ने विपक्षी नेताओं के व्यवहार की निंदा की है।

प्रश्नकाल की समाप्ति के बाद महाकुंभ भगदड़ का मुद्दा उठाने के अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश के बावजूद विपक्ष ने नारेबाजी जारी रखी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी सांसदों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। हालांकि, नारेबाजी के बीच कार्यवाही जारी है। कुंभ पर जवाब दो के नारे गूंजते हुए अधिकारियों से 29 जनवरी को मरने वाले लोगों की सूची जारी करने का आग्रह किया गया। विपक्ष का दावा है कि वास्तविक मौत का आंकड़ा सरकार द्वारा बताई गई संख्या से काफी अधिक है।

देश में अभी सबसे बड़ा मुद्दा है महाकुंभ भगदड़ की घटना : जया बच्चन

सपा सांसद जया बच्चन ने कहा, देश में अभी सबसे बड़ा मुद्दा है महाकुंभ भगदड़ की घटना है उन्हें मृतकों की सही संख्या बतानी चाहिए और जनता को सफाई देनी चाहिए। उन्होंने झूठ बोला, व्यवस्थाएं आम आदमी के लिए नहीं बल्कि वीआईपी के लिए था।

अभिभाषण पर चर्चा के दौरान यह विषय रखें : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में नारेबाजी करने वाले विपक्षी दलों के सदस्यों से कहा कि जनता ने उन्हें 'मेज तोड़ने' के लिए नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने के लिए सदन में भेजा है। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रश्नकाल के बीच नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा कि इस विषय का उल्लेख राष्ट्रपति महोदया ने अपने अभिभाषण में किया था। आप लोग अभिभाषण पर चर्चा के दौरान यह विषय रख सकते हैं। प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है जिसमें सरकार की जवाबदेही तय की जा सकती है।

रास में नियम 267 के तहत चर्चा के लिए कुल नौ नोटिस मिले : धनखड़

प्रयागराज में जारी महाकुंभ में कथित 'कुप्रबंधन' के मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने राज्यसभा में भारी हंगामा किया और बाद में सदन से बर्हिगमन किया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चर्चा के लिए कुल नौ नोटिस मिले हैं। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी और दिग्विजय सिंह, टीएमसी की सागरिका घोष, सपा के जावेद अली और रामजी लाल और भाकपा (मार्क्सवादी) के जॉन ब्रिटास ने प्रयागराज महाकुंभ में कथित कुप्रबंधन के मुद्दे पर नोटिस दिए थे।

प्रशासनिक लापरवाही से हुई महाकुंभ भगदड़ : राम गोपाल

महाकुंभ भगदड़ घटना पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, जो प्रशासनिक लापरवाही हुई, जिसकी वजह से ये घटना घटी. जो वहां पर उपस्थित थे उन लोगों का कहना है कि हजारों लोगों की मौत हुई है, गंभीर लापरवाही लेकिन अभी तक किसी अधिकारी के खिलाफ या किसी के भी खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सरकार की जवाबदेही : गौरव गोगोई

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने महाकुंभ भगदड़ मामले पर कहा, लोकसभा में सभी विपक्षी दलों की एक ही मांग थी कि महाकुंभ में जिन लोगों की मृत्यु हुई है उसके लिए सरकार की जवाबदेही है। आज हमने महाकुंभ को लेकर एक विशेष चर्चा की मांग रखी लेकिन सरकार द्वारा हमारी मांगों पर बुलडोजर चला दिया गया।

अयोध्या में दलित महिला की 'क्रूर' हत्या का मुद्दा गरमाया

» राहुल गांधी ने योगी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुई 22 वर्षीय दलित महिला की क्रूर हत्या को लेकर राजनीति गर्म हो गई है। महाकुंभ में अत्यवस्था पर घिरी योगी सरकार इस मुद्दे पर भी विपक्ष के निशाने पर आ गई है।

अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद के बाद अब राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लेकर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उनको अपने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने योगी सरकार को खूब सुनाई है।

अपने एक्स पर किए पोस्ट में, राहुल गांधी ने लिखा, अयोध्या में दलित बेटी के साथ हुई अमानवता और उसकी नृशंस हत्या हृदयविदारक और बहुत शर्मनाक है। तीन दिनों से गूंजती बच्ची के परिवार के मदद की पुकार पर अगर प्रशासन ने ध्यान दिया होता तो शायद उसके जीवन की रक्षा हो सकती थी। एक और बेटी के जीवन का इस घिनौने अपराध से अंत हो गया। आखिर कब तक और कितने परिवारों को इस तरह रोना-तड़पना राहुल ने आगे लिखा, बहुजन विरोधी भाजपा राज खास कर उत्तर प्रदेश में दलितों पर घृणित अत्याचार, अन्याय और हत्या बेलगाम बढ़ता जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से इस अपराध की जांच करने की मांग की। उत्तर प्रदेश सरकार इस अपराध की तुरंत जांच कर, दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाने के साथ जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करे। और कृपया कर पीड़ित परिवार को हमेशा की तरह प्रताड़ित न करें। देश की बेटियां और पूरा दलित समाज न्याय के लिए आपकी ओर देख रहा है।

प्रशासन ने परिवार की सूचना पर ध्यान नहीं दिया : अखिलेश

इसके पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा था, बेहद दुःखद खबर है कि अयोध्या के ग्रामसभा सहनवां (सरदार पटेल वार्ड) में तीन दिन से गायब दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। उसकी दोनों आंखें फोड़ दी गई हैं। उसके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ यादव ने कहा था,प्रशासन ने तीन दिन पहले ही अगर परिवार की सूचना पर ध्यान दिया होता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी। सपा प्रमुख ने इसी पोस्ट में मांग की थी, हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो दोषी हैं और जिन पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरती है, उन सबके ख़िलाफ़ कठोरतम कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना फिर न हो : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अयोध्या में दलित युवती की नृशंस हत्या का मामला उठाते हुए अपील की है कि सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश में अयोध्या जिले के सहनवां में दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। उसकी दोनों आंखें फोड़ दी गई हैं तथा अमानवीय व्यवहार भी हुआ है। मायावती ने कहा, यह बेहद दुःखद एवं अति गम्भीर मामला है। सरकार सख्त कदम उठाये, ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

केरल में छात्र के आत्महत्या करने की घटना दिल दहला देने वाली : नेता प्रतिपक्ष लोस

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि केरल के एक स्कूल में बलपूर्वक परेशान किये जाने के कारण एक छात्र के आत्महत्या कर लेने की दुखद घटना दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों (प्रताड़ित करने वालों और कार्रवाई करने में विफल रहने वालों) को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सामान्य शिक्षा निदेशक (डीजीई) को 15 जनवरी को छात्र की कथित आत्महत्या के मामले में व्यापक जांच करने का निर्देश दिया, जिसके बारे में उसके परिवार का दावा है कि कोच्चि के निकट उसके स्कूल में रैगिंग के कारण छात्र ने जान दे दी।

फोटो :4 पीएम

बड़ा हादसा टला लखनऊ के कैसरबाग के सलेमपुर हाउस में चल रहे सनदकदा महोत्सव में लगे 20 स्टॉलों में आग लग गई। घटना से भगदड़ मच गई। बताया जा रहा है कि आग रोटी बनाने वाले तंदूर से लगी। कुछ ही देर में आग पास में लगे स्टॉलों में फैल गई। दमकल की आठ गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

यूपी सरकार की गलत नीतियों के कारण कर्मचारी परेशान : आनंद

» बोले कर्मचारी संघ के अध्यक्ष- कार्य क्षमता से अधिक कार्य करें सभी नगर निगम कर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण कर्मचारी को कार्य क्षमता से अधिक कार्य करना पड़ रहा है। लखनऊ नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा ने ये आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई आबादी एवं बढ़े हुए कार्य क्षेत्र के अनुरूप सरकार एवं शासन निरन्तर वसूली लक्ष्य को बढ़ रही है।

साथ ही साथ निकायों को यह भी निर्देश दिया जा रहा है कि निकायों पर अतिरिक्त आने वाले व्यय -भार को निकाय अपने आय के श्रोत से वहन करे। मरता क्या न करता। सरकार एवं शासन जबरा मारे और रोने भी न दे की नीति पर काम कर रही है। जो न्याय संगत नहीं है। सरकार एवं शासन द्वारा बढ़ी हुई आबादी एवं बढ़े हुए कार्य क्षेत्र के अनुरूप सभी संवर्गों में रिक्त पदों पर नियमित नियुक्तियां न किये जाने के कारण समस्त संवर्गों के कर्मचारियों को रात दिन कार्य क्षमता से अधिक अवकाश के दिनों में काम करने पर नियमानुसार दिये जाने वाले प्रतिकर अवकाश को भी न लेकर अपने विभागीय दायित्वों का निर्वाहन करना पड़ रहा है।

समस्त संवर्ग का कर्मचारी मानसिक एवं शारीरिक रूप से अस्वस्थ हैं। जिससे उसकी जीवन शैली पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। जिसके निदान हेतु सभी निकायो के संघों / महासंघों को संस्था हित एवं कर्मचारी हित में आवश्यक कदम उठाये जाने की आवश्यकता है। ताकि हमारे पूर्वजों ने अपने त्याग, संघर्ष एवं एक जुटता के बल पर काम के घंटे की बनाई गई नीति का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।